परिवार और मित्र

(1) परिवार:

मानवीय संदर्भ में, परिवार रक्त, आत्मीयता और सह-निवास से संबंधित लोगों का एक समूह है। एक परिवार में, सदस्यों के बीच प्यार, सहयोग, लगाव और देखभाल की भावना मौजूद होती है। बच्चों के समाजीकरण के लिए परिवार एक प्राथमिक संस्थान है। यह व्यक्ति के सामाजिक जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह वह स्थान है जहाँ मानव पहली बार सामूहिक रूप से रहना सीखता है। परिवार समाज की मूल इकाई है.

A. परिवार के प्रकार:

1. **एकल परिवार:** एक परिवार, जिसमें विवाहित जोड़े अपने अविवाहित बच्चों के साथ रहते हैं। इसे कभी-कभी संयुग्मित परिवार भी कहा जाता है।
2. **विस्तारित / संयुक्त परिवार**: यह एक परिवार है जिसमें विवाहित जोड़ा अपने माता-पिता, दादा-दादी, बच्चों और अन्य रिश्तेदारों के साथ रहता है। पहले भारत में, अधिकांश परिवार इस प्रकृति के थे, लेकिन अब संयुक्त परिवार की अवधारणा कमजोर हो रही है।
3. **मातृ परिवार**: यह एक ऐसा परिवार है जहाँ माँ परिवार का मुखिया होती है और इस प्रकार के पारिवारिक जोड़े विवाह के बाद महिला के परिवार के साथ या उसके आस-पास रहते हैं।
4. **पतिव्रत परिवार**: एक परिवार, जहाँ पिता परिवार का मुखिया होता है और इस प्रकार के पारिवारिक जोड़े विवाह के बाद पुरुष के परिवार के साथ या उसके आस-पास रहते हैं।
5. **सांप्रदायिक परिवार**: एक ही खून का सामान्य साधन ', इसका मतलब इस तरह के परिवार में है जो एक ही पूर्वज के वंशज हैं, एक साथ रहते हैं.

B. परिवार की विशेषताएं:

1. **वंशानुगत संबंध:** परिवार में सदस्य आनुवंशिकता से एक-दूसरे से संबंधित हैं और लक्षण एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में स्थानांतरित किए जाते हैं।
2. **आर्थिक कार्य**: परिवार अपने सदस्यों को आर्थिक सहायता प्रदान करता है, परिवार के सदस्य किसी भी आर्थिक गतिविधि में संलग्न होकर पैसा कमाते हैं।
3. **विवाह की अनिवार्यता**: प्रजनन करना मानव का अत्यंत आवश्यक कार्य है और किसी भी जीवित विवाह के लिए परिवार और वंश को आगे की पीढ़ियों तक ले जाने में मदद मिलती है।
4. **सामाजिक सुरक्षा**: परिवार अपने सदस्यों को सुरक्षा प्रदान करता है और यह सामाजिक सुरक्षा की मूल इकाई है

C. एक परिवार के कार्य:

विभिन्न विचारकों द्वारा परिवार के कार्यों को विभाजित किया गया है। परिवार के निम्नलिखित कार्य हैं:

1. **MacIver** ने परिवार के कार्यों को दो रूपों में विभाजित किया है: आवश्यक और गैर - आवश्यक। आर्थिक कार्य, प्रजनन कार्य, शैक्षिक कार्य, यौन कार्य आवश्यक कार्य के अंतर्गत आता है जबकि मनोरंजक कार्य गैर-आवश्यक के अंतर्गत आता है

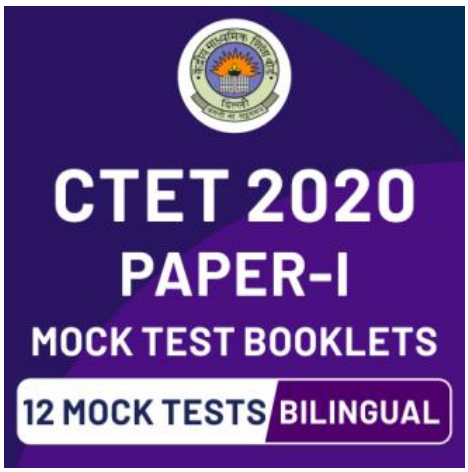

2. **ओगबर्न और निमकोफ** ने परिवार के कार्य को प्रभावशाली, आर्थिक, सुरक्षात्मक, धार्मिक, शैक्षिक और मनोरंजन क्षेत्र में वर्गीकृत किया।
3. **हंडबर्ग** ने परिवार के कार्य को चार भागों में विभाजित किया अर्थात् प्राथमिक समूह की संतुष्टि, सहयोग और श्रम का विभाजन, बच्चों की देखभाल और प्रशिक्षण, यौन व्यवहार और प्रजनन का विनियमन.

D. बाल विकास में परिवार का योगदान:

बच्चे का प्राकृतिक विकास उस परिवेश से प्रभावित होता है जिसमें बच्चा रहता है। बच्चे की बुनियादी जरूरतों को पूरा करना एक परिवार का कर्तव्य है, बच्चे की आहार, स्वच्छता और शारीरिक गतिविधि की देखभाल करें क्योंकि ये कारक बच्चे के शारीरिक विकास में मदद करते हैं।

- माता-पिता के वंशानुगत लक्षण और माता-पिता की शिक्षा बच्चे के मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
- घर और आसपास के वातावरण का पर्यावरण बच्चे के मानसिक विकास पर प्रभाव डालता है। बच्चे परिवार के भीतर अपनी प्रारंभिक शिक्षा और प्रशिक्षण शुरू करते हैं।
- परिवार ज्ञान, मूल्यों, दृष्टिकोण और प्रथाओं के प्रसारण के लिए एक आवश्यक वाहन है.

(2) मित्र:

- ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अनुसार, **"एक व्यक्ति जिसके साथ आपसी स्नेह का बंधन है, आम तौर पर यौन या पारिवारिक संबंधों में से एक है।" जैसा कि हम जीवन के माध्यम से जाते हैं, हमारे पास विभिन्न लोगों से मिलने का अवसर होता है, लेकिन कुछ दोस्त बन जाते हैं।**
- सच्चा दोस्त खुशी और दुःख साझा करता है, कठिन परिस्थितियों में उसके साथ खड़ा होता है और सभी परिस्थितियों में रक्षा करने की कोशिश करता है। दोस्तों में एक-दूसरे के लिए आपसी सम्मान है। दोस्तों के बीच के रिश्ते को **दोस्ती** कहा जाता है.
- अकेले मित्रता उस दुनिया में संबंध है जहां हम अपनी रुचि के आधार पर साथी / दोस्त / साथी का चयन करते हैं। हर कोई अपनी पसंद के दोस्तों के लिए स्वतंत्र है और कोई भी अन्य व्यक्ति के साथ जबरदस्ती दोस्ती नहीं कर सकता। एक बच्चे के समग्र विकास पर मित्र एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ता है।
- बचपन और किशोरावस्था में फलदायी सामाजिक संबंध एक बच्चे को बेहतर समग्र व्यक्तित्व विकसित करने और बाद के मनोवैज्ञानिक विकारों से बचाने में मदद करते हैं।
- अरस्तू के अनुसार, **मित्रता को तीन प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है:**
    1. **उपयोगिता की मित्रता:** इस तरह की मित्रता में, दो लोग अपने हित के लिए दोस्त होते हैं।
    2. **खुशी की दोस्ती:** इस तरह से, लोग सामान्य रुचि और खुशी साझा करते हैं। वे एक-दूसरे के साथ अपनी खुशी के पल साझा करते हैं।
    3. **अच्छे की दोस्ती:** इस तरह की दोस्ती में दो दोस्तों का एक-दूसरे के लिए परस्पर सम्मान होता है। इस प्रकार की मित्रता पारस्परिक हित और आनंद के कारण नहीं है.

TEST SERIES
Bilingual
UGC NET
PAPER I
15 Full-Length Mocks

(3) रिश्तेदार और रिश्ते:

1. रिश्तेदार एक समाज या परिवार में वे व्यक्ति होते हैं जो एक दूसरे से रक्त संबंध, विवाह, भावना या भावनाओं आदि से जुड़े होते हैं। संबंध और संबंध बच्चे को विकास और विकास में प्रभावित करते हैं।

2. बाल प्रारंभिक संचार कौशल, पारस्परिक संबंध विकसित करके उनके साथ बातचीत करते हैं और उनका अवलोकन करते हैं।
3. बच्चे में जीवन के प्रति दृष्टिकोण, सहानुभूति, करुणा, संवेदनशीलता, संस्कृति के प्रति जागरूकता, धर्म प्रथाओं और परिवार और समाज की परंपराओं को परिवार और उसके रिश्तेदारों को देखते हुए विकसित होता है।

(4) कार्य और खेल:

प्रसिद्ध शिक्षाविद मारिया मोंटेसरी ने कहा है, "खेलना बच्चे का काम है"। बच्चों और किशोरों के लिए स्वस्थ विकास के लिए खेल गतिविधियाँ आवश्यक हैं।

- बच्चों द्वारा गतिविधियां तंत्रिका कोशिकाओं के बीच बने कनेक्शन के पैटर्न को उत्तेजित और प्रभावित करती हैं।
- गतिविधियाँ ठीक और सकल मोटर कौशल, भाषा, समाजीकरण, व्यक्तिगत जागरूकता, भावनात्मक भलाई, रचनात्मकता, समस्या - समाधान और क्षमता के विकास को प्रभावित करती हैं
- बच्चों की सक्रिय भूमिका निभाने, पसंद करने और अभ्यास करने में महारत हासिल करने में बच्चों की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है
- प्ले लिंक संवेदी मोटर, संज्ञानात्मक और सामाजिक भावना अनुभव और मस्तिष्क के विकास से एक आदर्श सेटिंग प्रदान करता है.

A. शिक्षा और स्वास्थ्य में खेल का महत्व:

काम और खेल बच्चे के समग्र विकास के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है, यही कारण है कि खेल को स्कूलों के पाठ्यक्रम में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है।

- खेल के माध्यम से बच्चों को पढ़ाना आसान है और खेल के माध्यम से सिखाई गई अवधारणा उनकी स्मृति में बहुत लंबे समय तक बनी रहती है क्योंकि वे इसे व्यावहारिक रूप से देखकर आसानी से समझ लेते हैं।
- रचनात्मक गतिविधि और खेल के माध्यम से बच्चा कुछ नया सीखने की कोशिश करता है। ये नाटक और खेल कल्पना शक्ति के निर्माण, सोच कौशल विकसित करने, रचनात्मक कौशल बढ़ाने, बच्चों के बीच सहयोग निर्माण, टीम वर्क आदि में मदद करते हैं।
- खेल और अन्य शारीरिक गतिविधि प्रतिरक्षा को विकसित करने में मदद करती है और शरीर को बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में सक्षम बनाती है।
- मानसिक विकास के लिए खेल और शारीरिक गतिविधियाँ बहुत महत्वपूर्ण हैं और ये गतिविधियाँ तनाव को कम करती हैं और शरीर को तनाव से निपटने में सक्षम बनाती हैं।
- खेल के माध्यम से शारीरिक और गतिक विकास में शरीर की सह ऊंचाई, वजन, सामान्य उपस्थिति / टोन शामिल है - बड़ी और बारीक मांसपेशियों का समन्वय।
- संज्ञानात्मक विकास में आकार और रंगों की अवधारणा बनाने वाली स्व-अवधारणा शामिल है। विभिन्न प्रकार के ब्लॉक, मोतियों, खिलौने, मिट्टी, रेत, पहेलियाँ और अन्य प्राकृतिक सामग्री, बच्चों को विभिन्न आकार, आकार, रंग, बनावट और वॉल्यूम के बीच अंतर करने के लिए सीखने में सक्षम बनाती हैं।
- सामाजिक - भावनात्मक विकास में स्थापना, संबंध, विकासशील व्यवहार नियंत्रण और इतने कौशल शामिल हैं जो उन्हें अपने परिवार, स्कूल समुदाय में स्वीकार्य बनाते हैं।